ओडीओपी : एक लाख से ज्यादा को रोजगार मिलेगा

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का दायरा और बढ़ाने की तैयारी है। इसके जरिए एक लाख से ज्यादा हस्तशिल्पियों व कारीगरों को जोड़ा जाएगा और उन्हें रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही खास जोर देश-विदेश के बाजार में इनके उत्पादों की ब्रांडिंग पर भी है।

तय हुआ है कि ओडीओपी कौशल उन्नयन व टलकिट योजना के कर्ज भी दिलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओडीओपी योजना पर खास जोर देते हुए ज्यादा से ज्यादा कारीगरों को जोड़ने को कहा है।

अब विभाग ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। ओडीओपी योजना के लिए सेल व इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नालॉजी के साथ समझौता होगा। इसमें डिजाइनिंग व पैकेजिंग के लिए इस संस्था का सहयोग लिया जाएगा।

वाले मेलों में शामिल होने के लिए भेजा जा सके। हर जिले के खास उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग व बाजार उपलब्ध कराने के लिए पहले से मौजूद कामन फैसिलिटी सेंटर को अपग्रेड किया जाएगा। जिन जिलों में ऐसे केंद्र किराए पर हैं और आधे-अधूरे हैं, उन्हें नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारियों से जमीन चिह्नित करने को कहा गया है।

फ्लिपकार्ट, अलीबाबा, इंडियन

> हर जिले के खास उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए खास योजना बनाई गई है। कारीगरों को वित्तीय सहायता भी दिलाई जाएगी। इस फ्लैगशिप योजना के तहत निर्यात भी बढ़ाया जाएगा। –**नवनीत सहगल**, प्रमुख सचिव मध्य, सूक्ष्म व लघु उद्योग विभाग

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में बनेगा संग्रहालय

लखनऊ में अवध शिल्प ग्राम में एक बार फिर ओडीओपी योजना के तहत उत्पाद प्रदर्शित होंगे। यहां पर हर जिले के उत्पादों के लिए दुकानें नि:शुल्क आवंटित होंगी। अवध शिल्प ग्राम में एक संग्रहालय बनाने की भी तैयारी है। जहां जिलों के खास उत्पादों की विकास यात्रा व उनका इतिहास आदि प्रदर्शित होगा।

पृष्ठ संख्या –10 पर हिंदुस्तान (20/08/2019)